Department of Hindi

Programme Specific Outcomes

M.A. Hindi

PSO1: हिन्दी साहित्य के इतिहास और विकास की परंपरा से छात्र परिचित होंगे

PSO2: छात्र हिन्दी भाषा एवं साहित्य की विभिन्न शैलियों से परिचित होंगे

PSO3: छात्रों को साहित्यिक सिद्धांतों, साहित्य रूपों और आंदोलनों का ज्ञान प्राप्त होंगा

PSO4: छात्र साहित्य के माध्यम से अपने देश की प्राचीन संस्कृति एवं तत्कालीन राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि परिस्थितियों से परिचित होंगे

PSO5: छात्र आदिकाल, भक्तिकाल,रीतिकाल और आधुनिक काल की विभिन्न शाखाओं, उपशाखाओं तथा साहित्यिक परंपरा और तत्कालीन परिवेश से अवगत होंगे

PSO6: भाषा-विज्ञान के माध्यम से छात्र भाषिक संचरना से परिचित होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से परिपक्व बनेंगे

PSO7: छात्रों को हिन्दी-भाषा के विविध रूपों का ज्ञान होंगा

PSO8: जनसंचार माध्यमों में हिन्दी के विविध रूपों को समझ सकेंगे

PSO9: प्रयोजनमूलक हिन्दी के द्वारा हिन्दी में रोजगार की संभावनाओं से अवगत होंगे

PSO10: अनुवाद के माध्यम से अन्य भाषाओं के साहित्य और संस्कृति आदि का ज्ञान छात्रों को मिलेंगा

Course Outcomes

F.Y. M.A.
Semester I

आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

CO1: इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास परंपरा के बारे में जानकारी दीजिये।

CO2: हिंदी साहित्य के कालविभाजन पर चर्चा कीजिये।

CO3: आदि तथा मध्यकालीन काव्य प्रवृत्तियों के बारें में बताइये।

CO4: भक्तिकालीन विविध काव्यधाराओं का परिचय दीजिये।

CO5: मध्यकालीन कृति एवं कृतिकारों की जानकारी दीजिये।

भारतीय साहित्यशास्त्र

CO1: भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिये।

CO2: भारतीय साहित्यशास्त्र के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

CO4: समीक्षा की गुण-दोषों की चर्चा कीजिये।

CO5: भारतीय साहित्य चिंतन को समझाइए।

भक्तिकालीन काव्य

CO1: भक्तिकालीन पृष्ठभूमि को विशद कीजिये।

CO2: भक्तिकालीन काव्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

CO3: भक्तिकालीन कवियों के साहित्यिक योगदान की जानकारी दीजिये।

CO4: कबीर पर अन्य विचारधारा के प्रभाव को स्पष्ट कीजिये।

CO5: वर्तमान संदर्भ में आलोच्य भक्त-कवियों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिये।

उपन्यास साहित्य

CO1: उपन्यास के तत्त्वों को स्पष्ट कीजिये।

CO2: हिंदी उपन्यास के विकासक्रम को समझाइए।

CO3: हिंदी उपन्यासों की प्रवृत्तियों को बताइये।

CO4: हिंदी उपन्यास के अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप को स्पष्ट कीजिये।

CO5: गोदान, मैला आंचल, बाणभट्ट की आत्मकथा में चित्रित युगबोध को स्पष्ट कीजिये।

Semester II

हिंदी साहित्य का इतिहास

CO1: आधुनिककालीन परिस्थितिओं का विवेचन कीजिए।

CO2: आधुनिककालीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय दीजिये।

CO3: स्वछंदतावादी कविता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

CO4: आधुनिक गद्य विधाओं की संक्षेप मे जानकारी दीजिये।

CO5: गद्येत्तर विधाओं के बारे में चर्चा कीजिये।

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

CO1: पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम को समझाइए।

CO2: पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों की चर्चा कीजिये।

CO3: आलोचना के अर्थ, परिभाषा, भेद एवं प्रकारों की जानकारी दीजिये।

CO4: पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के प्रमुख वादों के बारे में बताइये।

CO5: पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के चिंतन पक्ष को समझाइए।

रीतिकालीन काव्य

CO1: रीतिकालीन परिस्थितियों की विस्तृत जानकारी दीजिये।

CO2: रीतिकालीन प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिये।

CO3: बिहारी, भूषण और घनानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

CO4: रीतिकालीन शृंगारिकता के बारें में चर्चा कीजिये।

CO5: घनानंद की काव्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिये।

कहानी साहित्य

CO1: कहानी विधा के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिये।

CO2: विभिन्न कहानी आंदोलनों की चर्चा कीजिये।

CO3: कहानी के तत्त्वों को समझाइए।

CO4: आलोच्य कहानीकारों का परिचय दीजिये।

CO5: समकालीन दलित, स्त्री, आदिवासी विमर्श के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

S.Y. M.A.
Semester III

भारतीय साहित्य

CO1: भारतीय साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

CO2: हिंदीत्तर भाषाओं के साहित्य का परिचय दीजिये।

CO3: युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में पांगिरा उपन्यास की चर्चा कीजिये।

CO4: गिरीश करनाड के तुगलग नाटक की समीक्षा कीजिये।

CO5: हिन्दी और भारत की अन्य भाषाओं के सहसंबंध को स्पष्ट कीजिये।

भाषा विज्ञान

CO1: भाषा-विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

CO2: भाषा विज्ञान की उपयोगिता बताइये।

CO3: स्वर और व्यंजनों के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

CO4: ध्वनियों के उच्चारण में सहायक वाक् अवयवों का परिचय दीजिये।

CO5: भाषा-विज्ञान के अध्ययन क्षेत्रों को स्पष्ट कीजिये।

स्वतंत्रपूर्व हिंदी कविता

CO1: स्वतंत्रपूर्व हिंदी कविता के विकासक्रम का परिचय दीजिये।

CO2: कवि सुर्यकांत त्रिपाठी निराला के जीवन और काव्य के बारें में बताइये।

CO3: सुमित्रानंदन पंत के काव्य में चित्रित प्रकृति का स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

CO4: युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में जयशंकर प्रसाद की काव्य-प्रवृत्तियों पर चर्चा कीजिये।

CO5: कवि के रुप में निराला, प्रसाद और पंत के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

प्रयोजनमूलक हिंदी

CO1: प्रयोजनमूलक हिंदी की संकल्पना को स्पष्ट कीजिये।

CO2: प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों की जानकारी दीजिये।

CO3: कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

CO4: राजभाषा हिंदी के स्वरूप की जानकारी दीजिये।

CO5: वाणिज्य-व्यवसाय में प्रयुक्त हिंदी का स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

Semester IV

भारतीय साहित्य

CO1: तुलनात्मक साहित्य के अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

CO2: हिंदीत्तर अनुवादित साहित्य की चर्चा कीजिये।

CO3: उपन्यासकार के रुप में महाश्वेता देवी के योगदान को स्पष्ट कीजिये।

CO4: सीताकांत महापात्र के वर्षा की सुबह काव्य में चित्रित जीवन बोध का परिचय दीजिये।

CO5: मास्टर साब उपन्यास के माध्यम से तत्कालीन समाज और परिवेश के विसंगतियों पर प्रकाश डालिए।

हिंदी भाषा का इतिहास

CO1: संसार के भाषा परिवार की जानकारी दीजिये।

CO2: हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिये।

CO3: हिंदी की विविध बोलियों का परिचय दीजिये।

CO4: हिंदी भाषा के शब्द संपदा की जानकारी दीजिये।

CO5: देवनागरी लिपि के स्वरूप और व्याप्ति को स्पष्ट कीजिये।

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता

CO1: स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिये।

CO2: युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में कवि कुवंरनारायण के आत्मजयी काव्य की चर्चा कीजिये।

CO3: कवि धूमिल का साहित्यिक परिचय दीजिये।

CO4: मुक्तिबोध के काव्य में चित्रित फैंटसी एवं सामाजिक विषमता के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

CO5: अरुण कमल के काव्य में चित्रित जनसंवेदना की चर्चा कीजिये।

मीडिया लेखन

CO1: जनसंचार के स्वरूप एवं प्रक्रिया की जानकारी दीजिये।

CO2: जनसंचार माध्यमों के विविध रूपों का परिचय दीजिये।

CO3: माध्यमों के लिए लेखन कौशल की जानकारी दीजिये।

CO4: माध्यम लेखन प्रक्रिया के स्वरूप को स्पष्ट कीजिये।

CO5: दृक-श्रव्य माध्यम लेखन प्रक्रिया का स्वरूप विशद कीजिये।